आओ, ख़ुद देख लो

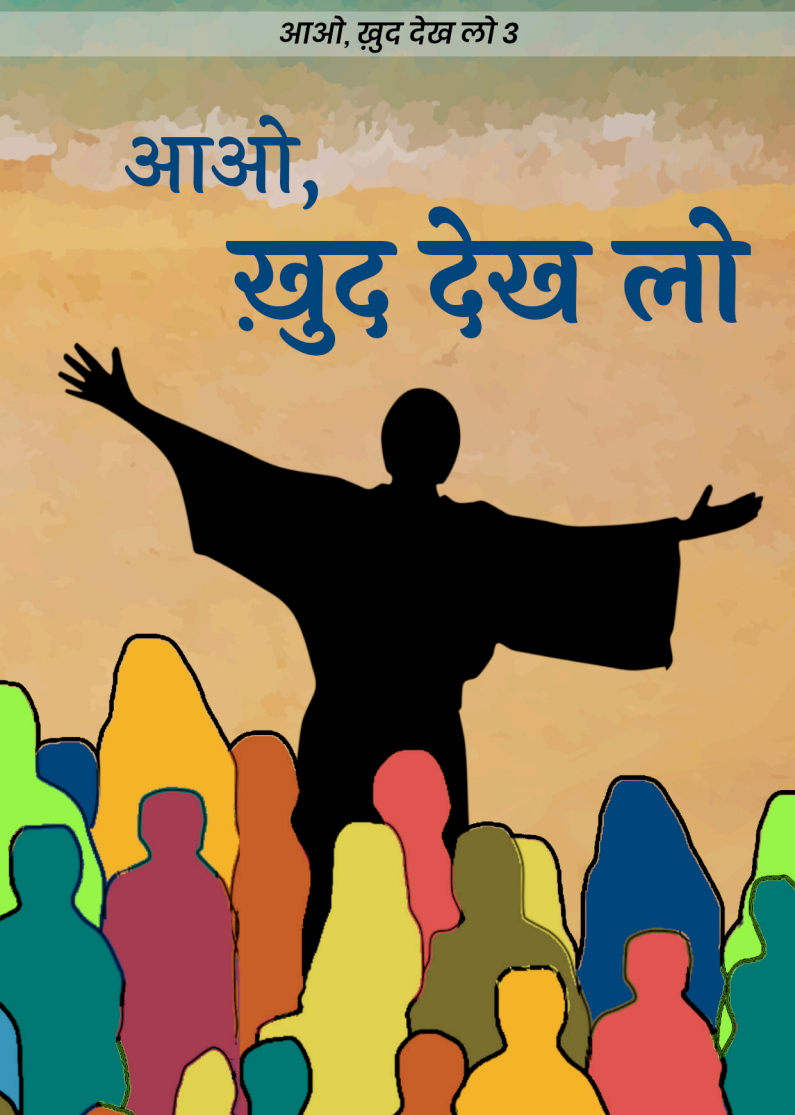

āo, khud dekh lo

Come, See for Yourself

by Bakhtullah

[Ao, Khud Dekh Lo 3]

(Urdu—Hindi script)

© 2022 www.chashmamedia.org
published and printed by
Good Word, New Delhi

The title cover is a collage including
OpenClipart-Vectors https://pixabay.com/images/id-2026191/.

Bible quotations are from UGV.

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

क्या मैंने ख़ुद आकर देख लिया है? 2

क्या मैं उसके पीछे हो लिया हूँ? 4

क्या मैं उसका घरवाला बन गया हूँ? 5

क्या मसीह मेरा बादशाह है? 6

इंजील, यूहन्ना 1:35-51 8

एक दिन का ज़िक्र है कि एक नासमझ लड़का नहर में नहाते हुए फिसल गया और डूबने लगा। उसके साथियों के देखते देखते वह शोर मचाते हुए पानी की गहराइयों में ओझल हो गया। लेकिन एक दोस्त से रहा न गया। उसने पानी में छलाँग लगाया। और सचमुच थोड़ी देर बाद वह दोस्त को पकड़कर निकाल लाया।

बेचारा लड़का! वह बेहिसो-हरकत किनारे पर पड़ा रहा। क्या उसका दम निकल चुका था? उसके यार-दोस्त परेशान हालत में उसके गिर्द इकट्ठे हुए। तब एक ने कहा, “ठहरो, पहले हम फेफड़ों से पानी निकालते हैं फिर नब्ज़ देखते हैं।” वह झुककर काफ़ी देर तिब्बी इमदाद देने में लगा रहा। फिर उठ खड़ा हुआ और कहा, “बहुत ही कमज़ोर है। लेकिन ज़िंदा है। हलकी हलकी साँस ले रहा है।” हालाँकि बिलकुल बेजान लग रहा था। न ठीक तौर से मरा हुआ था, न ज़िंदा।

कितने लोगों की यही हालत होती है। ध्यान से देखो तब ही पता चलता है कि ज़िंदा हैं। लग रहा है कि वह नहर के किनारे अधमुए पड़े हैं। बेहिसो-हरकत। वह बस गुज़ारा कर रहे हैं। उनकी ज़िंदगी का कोई मक़सद, कोई मज़ा नहीं रहा। देखने में ज़िंदा होते हैं मगर हैं ही मुरदे।

► **आपकी ज़िंदगी कैसी है? क्या वह भरपूर और बा-मक़सद है? अगर नहीं तो हम क्या कर सकते हैं कि हमारी जान में दुबारा जान आए?**

भरपूर ज़िंदगी पाने के लिए हमें कुछ सवाल पूछने चाहिएँ। पहला सवाल :

क्या मैंने ख़ुद आकर देख लिया है?

एक वाहिद हस्ती है जिससे हमारी जान में जान आ सकती है—वह जो ईसा मसीह कहलाता है।

एक दिन ईसा मसीह यहया नबी के पास आया। यहया नबी ने उसे देखते ही अपने शागिर्दों को बताया कि यह मसीह है। यह वही है जो दुनिया के गुनाहों को उठा ले जाएगा।

► **क्या यह सुनकर शागिर्दों को समझ आई कि ईसा मसीह कौन है?**

नहीं। लेकिन इतना वह समझ गए कि यह एक ख़ास और अज़ीम आदमी है।

अंधेरे में परवाना आग से खींचा जाता है। वह मजबूर हो जाता है चाहे वह उसमें जल भी जाए। शागिर्द परवानों की तरह ईसा मसीह के पीछे पीछे खिचते गए।

उसने मुड़कर उनसे पूछा, “तुम क्या चाहते हो?”

- **आज ईसा मसीह यह कुछ मुझसे और आपसे भी पूछता है : तुम क्या चाहते हो?**
- **आप क्या जवाब देंगे?**

  आप बड़े हों या छोटे, मर्द हों या औरत, वह हर एक से यह सवाल पूछता है। क्या आप कहेंगे कि "मुझे छोड़ दो। पैग़ंबर हो न हो मगर मेरा आपसे क्या वास्ता। मेरी तो अलग पार्टी है।"
- **अपने आपको धोका मत देना। रोज़े-महशर पर आप क्या कहेंगे जब आपको तख़्ते-अदालत के सामने लाया जाएगा?**

शागिर्दों ने ऐसी कोई बात न की। उन्होंने साफ़ पूछा, "उस्ताद, आप कहाँ ठहरे हुए हैं?"

"उस्ताद।" उनको इतना ही पता था : मसीह हमारा उस्ताद है। वह उस्ताद जिससे हमारी जान में जान आएगी और आसमान का रास्ता खुल जाएगा। इसी लिए हम वहाँ जाना चाहते हैं जहाँ वह ठहरा हुआ है।

ईसा मसीह ने जवाब दिया, "आओ, ख़ुद देख लो।"

कितनी ख़ूबसूरत दावत! वह मजबूर नहीं करता। खुली दावत है कि आओ और ख़ुद पता कर लो। तब तुम जान लोगे कि मैं कौन हूँ।

दोनों शागिर्द मसीह के हाँ पहुँचे। शाम के चार बज गए थे। उन्होंने क्या क्या देख लिया होगा? क्या वह पूरी रात बातें करते रहे? हो सकता है कि उस्ताद का मुहब्बत-भरा चेहरा ही काफ़ी था। जो भी हुआ, यह

शागिर्द एकदम ईसा मसीह से लिपट गए। अब से वह उसके हाँ ठहरे रहे।

ईसा मसीह के पीछे हो लेने का मतलब यही है : आओ, ख़ुद देख लो। और इससे ज़्यादा : मेरे साथ ठहरो। मतलब यह नहीं कि हम उसकी पार्टी के मेंबर बनें। उसे सियासी बातों से सख़्त नफ़रत है। नहीं, वह चाहता है कि हम उसके घरवाले बन जाएँ। कि जहाँ वह है वहाँ हम भी हों। कि वह हमारा आक़ा हो। हम उसकी आवाज़ सुनें और उसका हाथ थामे हुए चल पड़ें। यों ही हमें भरपूर ज़िंदगी मिलती रहेगी।

इसलिए मेरी और आपकी ज़िंदगी का सबसे अहम सवाल यह है :

क्या मैं उसके पीछे हो लिया हूँ?

जब ज़बरदस्त चटान समुंदर में गिर जाए तो बड़ी बड़ी लहरें उछलकर चारों तरफ़ फैल जाती हैं। जो भी रास्ते में है उसे वह अपने साथ ले जाती हैं। ईसा मसीह के पास ठहरने से यही कुछ हुआ। वह मसीह की मुहब्बत-भरी लहर में आकर इतने जोश में आए कि उनसे रहा न गया। उनको दूसरों को यह ख़ुशख़बरी बताना ही था।

दोनों में से एक का नाम अंदरियास था। उसका दिल उस्ताद की बातों से छलक उठा तो वह सीधे अपने भाई पतरस के पास जा पहुँचा। कहा, “हमें मसीह मिल गया है।” वह जो हमें बचाएगा। यह कहते ही अंदरियास अपने भाई को घसीटकर ईसा मसीह के पास ले गया। भाई भी एकदम मसीह के जादू में आ गया।

लहरें अभी तक ज़ोरों पर थीं। अब ईसा मसीह एक आदमी बनाम फ़िलिप्पुस से मिला। उसने कहा, “मेरे पीछे हो ले।”

► **क्या मैं उसके पीछे हो लिया हूँ?**

तीसरा सवाल :

क्या मैं उसका घरवाला बन गया हूँ?

फ़िलिप्पुस न सिर्फ़ राज़ी हुआ। वह इतने जोश में आ गया कि सीधे अपने जाननेवाले नतनेल के पास पहुँचा। कहने लगा, “हमें वह मिल गया जिसका ज़िक्र मूसा और नबियों ने किया है। वह नासरत का रहनेवाला है।”

नतनेल की हँसी छूट गई, “नासरत!? क्या नासरत से कोई अच्छी चीज़ निकल सकती है?” नासरत में कम आबादी थी, और उसे हक़ीर जाना जाता था। अल-मसीह ऐसी जगह से किस तरह आ सकता था?

फ़िलिप्पुस ने जवाब दिया, “आ और ख़ुद देख ले।”

फ़िलिप्पुस यह बात समझ गया था कि आने और ख़ुद देख लेने से ही सब कुछ मालूम हो जाता है। कोई और रास्ता नहीं। घर का रिश्ता बाँधना है। यह तो कोई फ़लसफ़ा नहीं है जो वह किताब पढ़कर मान सकता है। न किसी पार्टी के आफ़िस में जाकर अपना नाम रजिस्टर करवाना है। घर का रिश्ता घर के अंदर ही बाँधा जाता है। घरवालों के आमने-सामने।

► **क्या मैं उसका घरवाला हूँ?**

चौथा सवाल :

क्या मसीह मेरा बादशाह है?

ईसा मसीह नतनेल को आते देखकर पुकार उठा, “लो, यह सच्चा इसराईली है जिसमें मकर नहीं।”

नतनेल हक्का-बक्का रह गया। “आप मुझे कहाँ से जानते हैं?”

ईसा मसीह ने जवाब दिया, “इससे पहले कि फ़िलिप्पुस ने तुझे बुलाया मैंने तुझे देखा। तू अंजीर के दरख़्त के साय में था।”

क्या बात है! इससे पहले कि हम उसे देखें ईसा मसीह हमें पुकारकर फ़रमाता है कि “आओ और ख़ुद देख लो।”

नतनेल भी मसीह की मुहब्बत-भरी लहर में आ गया। उसमें डूबे हुए वह पुकार उठा, “उस्ताद, आप अल्लाह के फ़रज़ंद हैं, आप इसराईल के बादशाह हैं।”

ईसा मसीह ने फ़रमाया, “अच्छा, मेरी यह बात सुनकर कि मैंने तुझे अंजीर के दरख़्त के साय में देखा तू ईमान लाया है? तू इससे कहीं बड़ी बातें देखेगा। मैं तुमको सच बताता हूँ कि तुम आसमान को खुला और अल्लाह के फ़रिश्तों को ऊपर चढ़ते और इब्ने-आदम पर उतरते देखोगे।”

► **हम यह मुश्किल बात किस तरह समझ सकते हैं?**

क़दीम ज़माने में इसराईल के बुज़ुर्ग याक़ूब ने ख़ाब में एक सीढ़ी देखी थी जो ज़मीन से आसमान तक पहुँचती थी। फ़रिश्ते उस पर

चढ़ते और उतरते नज़र आते थे। रब उसके ऊपर खड़ा था। लिखा है,

> तब याक़ूब जाग उठा। उसने कहा, “यक़ीनन रब यहाँ हाज़िर है, और मुझे मालूम नहीं था।” वह डर गया और कहा, “यह कितना ख़ौफ़नाक मक़ाम है। यह तो अल्लाह ही का घर और आसमान का दरवाज़ा है।” (तौरात, पैदाइश 28:16-17)

ईसा मसीह अपने शागिर्दों को बताना चाहता है कि अब तुम भी मेरे वसीले से देखोगे कि आसमान का दरवाज़ा इनसान के लिए खुल जाएगा।

एक और बात। ईसा मसीह ने अपने आप को इब्ने-आदम कहा।

► **क्यों?**

दानियाल नबी ने सदियों पहले अल-मसीह के बारे में एक रोया देखी थी। उसमें उसने देखा था कि

> आसमान के बादलों के साथ साथ कोई आ रहा है जो इब्ने-आदम-सा लग रहा है। जब क़दीमुल-ऐयाम के क़रीब पहुँचा तो उसके हुज़ूर लाया गया। उसे सलतनत, इज़्ज़त और बादशाही दी गई, और हर क़ौम, उम्मत और ज़बान के अफ़राद ने उसकी परस्तिश की। उसकी हुकूमत अबदी है और कभी

> ख़त्म नहीं होगी। उसकी बादशाही कभी तबाह नहीं होगी। (दानियाल 9:13-14)

ईसा मसीह यही इब्ने-आदम है जो एक दिन दुनिया की अदालत करने आएगा। उसकी बादशाही कभी तबाह नहीं होगी। वही हर इनसान का ख़ुदावंद है चाहे वह यह बात माने या न माने।

यों ईसा मसीह की ख़िदमत शुरू हुई। और यह ख़िदमत आज तक जारी रही है। आज तक वह बार बार पुकारता रहता है : आओ, ख़ुद देख लो! आओ, ख़ुद देख लो!

► **रहा यह सवाल: क्या मैं ने उस के हुज़ूर आकर ख़ुद देख लिया है?**

इंजील, यूहन्ना 1:35-51

अगले दिन यहया दुबारा वहीं खड़ा था। उसके दो शागिर्द साथ थे। उसने ईसा को वहाँ से गुज़रते हुए देखा तो कहा, “देखो, यह अल्लाह का लेला है!”

उसकी यह बात सुनकर उसके दो शागिर्द ईसा के पीछे हो लिए। ईसा ने मुड़कर देखा कि यह मेरे पीछे चल रहे हैं तो उसने पूछा, “तुम क्या चाहते हो?”

उन्होंने कहा, “उस्ताद, आप कहाँ ठहरे हुए हैं?”
उसने जवाब दिया, “आओ, ख़ुद देख लो।” चुनाँचे वह उसके साथ गए। उन्होंने वह जगह देखी जहाँ वह ठहरा हुआ था और दिन के बाक़ी वक़्त उसके पास रहे। शाम के तक़रीबन चार बज गए थे।
शमाऊन पतरस का भाई अंदरियास उन दो शागिर्दों में से एक था जो यहया की बात सुनकर ईसा के पीछे हो लिए थे। अब उसकी पहली मुलाक़ात उसके अपने भाई शमाऊन से हुई। उसने उसे बताया, “हमें मसीह मिल गया है।” (मसीह का मतलब ‘मसह किया हुआ शख़्स’ है।) फिर वह उसे ईसा के पास ले गया।
उसे देखकर ईसा ने कहा, “तू यूहन्ना का बेटा शमाऊन है। तू कैफ़ा कहलाएगा।” (इसका यूनानी तरजुमा पतरस यानी पत्थर है।)
अगले दिन ईसा ने गलील जाने का इरादा किया। फ़िलिप्पुस से मिला तो उससे कहा, “मेरे पीछे हो ले।” अंदरियास और पतरस की तरह फ़िलिप्पुस का वतनी शहर बैत-सैदा था।
फ़िलिप्पुस नतनेल से मिला, और उसने उससे कहा, “हमें वही शख़्स मिल गया जिसका ज़िक्र मूसा ने तौरेत और नबियों ने अपने सहीफ़ों में किया है। उसका नाम ईसा बिन यूसुफ़ है और वह नासरत का रहनेवाला है।”

नतनेल ने कहा, “नासरत? क्या नासरत से कोई अच्छी चीज़ निकल सकती है?”
फ़िलिप्पुस ने जवाब दिया, “आ और ख़ुद देख ले।”
जब ईसा ने नतनेल को आते देखा तो उसने कहा, “लो, यह सच्चा इसराईली है जिसमें मकर नहीं।”
नतनेल ने पूछा, “आप मुझे कहाँ से जानते हैं?”
ईसा ने जवाब दिया, “इससे पहले कि फ़िलिप्पुस ने तुझे बुलाया मैंने तुझे देखा। तू अंजीर के दरख़्त के साय में था।”
नतनेल ने कहा, “उस्ताद, आप अल्लाह के फ़रज़ंद हैं, आप इस-राईल के बादशाह हैं।”
ईसा ने उससे पूछा, “अच्छा, मेरी यह बात सुनकर कि मैंने तुझे अंजीर के दरख़्त के साय में देखा तू ईमान लाया है? तू इससे कहीं बड़ी बातें देखेगा।” उसने बात जारी रखी, “मैं तुमको सच बताता हूँ कि तुम आसमान को खुला और अल्लाह के फ़रिश्तों को ऊपर चढ़ते और इब्ने-आदम पर उतरते देखोगे।”